सतना | रविवार । 18 जनवरी 2026 । वर्ष 27 । अंक 137 । पृष्ठ 12 । मूल्य रु. 5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

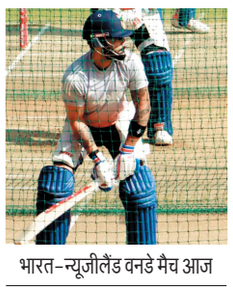

भारत-न्यूजीलैंड वनडे मैच आज

4,400 करोड़ की 8 एनएच परियोजनाओं का भूमिपूजन

450 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शुभारंभ

400 करोड़ विदिशा क्षेत्र के लिए स्वीकृत

विदिशा/भोपाल/ नई दिल्ली. 17 जनवरी. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के विशेष प्रयासों से विदिशा संसदीय क्षेत्र और आसपास के जिलों को आज सड़क विकास की ऐतिहासिक सौगात मिली. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने विदिशा में लगभग 4,400 करोड़ रुपए की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया, साथ ही लगभग 450 करोड़ रु. के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे.

कार्यक्रम में रायसेन-विदिशा राष्ट्रीय राजमार्ग, विदिशा-ग्यारसपुर, ग्यारसपुर-राहतगढ़ और राहतगढ़ से सागर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया. इटारसी-बुधनी-बरखेड़ा-ओबेदुल्लागंज मार्ग, जो रातापानी अभयारण्य के बीच से गुजरने वाला शानदार राष्ट्रीय राजमार्ग है, उसका भी लोकार्पण किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी.

शिवराज की सभी मांगे पूरी : नितिन गडकरी ने मंच से घोषणा की कि विदिशा-सागर-कोटा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे लगभग 16,000 करोड़ रु. की लागत से मंजूर हो चुका है, जिससे करीब 75 किलोमीटर दूरी कम होगी और यह दिल्ली-मुंबई तथा भोपाल-कानपुर जैसे बड़े एक्सप्रेस-वे से जुड़कर नए आर्थिक गलियारे का काम करेगा. शिवराज सिंह चौहान की मांग पर नसरुल्लागंज-रेहटी-बुधनी रोड और गोपालपुर-भेरुंदा रोड को चार लेन और सीमेंट कंक्रीट से विकसित करने को मंजूरी दी गई, जिससे विदिशा संसदीय क्षेत्र और नर्मदापुरम-सीहोर बेल्ट में आवागमन और व्यापार को बड़ा लाभ होगा. इसके अलावा 400 करोड़ रु. की राशि विशेष रूप से शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र की आठों विधानसभा के लिए, प्रत्येक विधानसभा को 50 करोड़ रु. के हिसाब से स्वीकृत की गई.

शिवराज ने माना केंद्रीय मंत्री का आभार: शिवराज सिंह ने केंद्रीय मंत्री गडकरी ने 4,400 करोड़ की सौगातें दी हैं, इसके लिए उनका हृदय से अभिनंदन, लेकिन विकास की भूख कभी पूरी नहीं होती है.

4,000 करोड़ रु. की लागत से होगा विकास : सीएम

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विदिशा के लिए मांग किए गए दक्षिणी बायपास का काम उन्होंने हेलीकॉप्टर से देखा है और उसके उद्घाटन के लिए वे स्वयं आएंगे. साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि उसी समय उत्तरी बायपास का भी भूमिपूजन किया जाएगा और लगभग 4,000 करोड़ रु. की लागत से इसे भी विदिशा के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे शहर चारों ओर से मजबूत रिंग रोड नेटवर्क से जुड़ जाएगा.

कार्यक्रम से पहले हुआ रोड शो

समारोह के पहले, दोपहर में बड़ा बाजार से जयप्रकाश मंच तक केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मोहन यादव का रोड शो हुआ, जिसने ऐतिहासिक उत्सव का रूप ले लिया. फूलों की बारिश और नारों के बीच जनता ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया.

बंगाल को लूट रही तृणमूल : पीएम मोदी

पीएम ने कहा अबकी बार सुशासन की बारी, भारत को जोड़ना हमारी प्राथमिकता

- पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी
- पीएम मोदी ने जनसभा को किया संबोधित

मालदा, 17 जनवरी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हावड़ा-गुवाहाटी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल को लूटने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद ही राज्य में 'रुके हुए' विकास कार्य फिर शुरू हो सकते हैं.

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल के चारों ओर 'सुशासन' की सरकार है. ओडिशा, त्रिपुरा, असम और बिहार में भी भाजपा सरकार है. अब बंगाल में 'सुशासन' की सरकार आनी चाहिए. मैं बंगाल के विकास के लिए काम कर रहा हूं. मैं चाहता हूं कि सरकार की जो योजनाएं हैं, वे उसके सही हकदारों को मिलें, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा. बंगाल की तृणमूल सरकार बहुत निर्दयी है. केंद्र सरकार बंगाल के विकास के लिए जो पैसे भेजती है, उसे तृणमूल के लोग लूट लेते हैं. उन्हें जनता की तकलीफ की कोई चिंता नहीं. पीएम मोदी ने ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, तृणमूल का सिंडिकेट कई सालों से यहां घुसपैठियों को बसाने और मतदाता बनाने का खेल खेल रहा है. घुसपैठिये कई लोगों का हक छीनते हैं. कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि अब बंगाल में सुशासन की बारी है. जनसभा में उन्होंने 'पालटा नो दोरकार, बीजेपी सरकार' के नारे भी लगवाए.

3,250 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का अनावरण

पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा में 3,250 करोड़ रुपये से अधिक की रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं का अनावरण करने के बाद कहा कि भारतीय रेल आधुनिक होने के साथ साथ आत्मनिर्भर भी हो रहे है. भारत के रेल इंजन, रेल के डिब्बे, भारत के मेट्रो कोच देश की तकनीक की पहचान बन रही है. अमेरिकी यूरोप से ज्यादा लोकोमोटिव बना रहे है. दुनिया के कई देशों को पैसेंजर ट्रेन और मेट्रो ट्रेन के कोच का निर्यात किया जा रहा है. इसके कारण हमारी अर्थव्यस्था को बड़ा लाभ मिलता है, हमारे नौजवानों को रोजगार मिलता है.

कांग्रेस आलाकमान से तमिलनाडु के नेताओं की बैठक

नई दिल्ली. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गठबंधन तथा अन्य मुद्दों पर विचार के लिए कांग्रेस आलाकमान ने शनिवार को यहां पार्टी के प्रदेश के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर चर्चा की. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल के साथ चर्चा की. पार्टी सूत्रों के अनुसार बैठक में चुनावी गठबंधन, सीट-बंटवारे तथा इसकी रणनीति और तमिलनाडु में अपनाई जाने वाली चुनावी रणनीति को लेकर विचार किया.

मुख्य न्यायाधीश समेत 18 जज पहुंचे काशी

- बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर की पूजा और प्रार्थना
- क्रूज पर सवार होकर मां गंगा की देखी आरती

वाराणसी, 17 जनवरी. भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली समेत 18 जज दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे.

यहां उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि द्वारा होने वाली विश्व प्रसिद्ध मां गंगा की दैनिक आरती में न्यायमूर्ति सूर्यकांत भारत के मुख्य न्यायाधीश पत्नी सविता वशिष्ट व

कई जज क्रूज पर सवार होकर मां गंगा की आरती दर्शन कर मंत्र मुग्ध हुए. इस दौरान घाट पर गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा, कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी, सचिव हनुमान यादव अतुल अंजान एसीपी दशाश्वमेध समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहीं.

एक नजर में

15 जिलों में 40 गाड़ियां टकराईं, 7 की मौत

लखनऊ. यूपी में शनिवार को सीजन का सबसे घना कोहरा पड़ा. मेरठ, बाराबंकी समेत 15 जिलों में 40 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं. डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 की मौत हो गई. फतेहपुर में एनएच पर 10 गाड़ियां टकराईं. यहां कार ड्राइवर की मौत हो गई. मुरादाबाद में जीजा की जान चली गई. ऐसे ही सुल्तानपुर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को एक वाहन ने टक्कर मार दी. जिससे 3 की मौत हो गई. वहीं, मेरठ में कार नाले में गिर गई.

इंडोनेशिया में 11 लोगों समेत विमान लापता

जकार्ता. इंडोनेशिया में 11 लोगों को ले जा रहा एक यात्री विमान शनिवार को रडार से गायब हो गया. विमान जावा द्वीप के योग्याकार्ता से सुलावेसी द्वीप के माकासर जा रहा था. पहाड़ी इलाके में पहुंचते ही उसका ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूट गया. अधिकारियों के मुताबिक सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है. यह टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 विमान इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट का था. इसमें 8 क्रू मेंबर और 3 यात्री सवार थे.

बांग्लादेश में 24 घंटे में दो हिंदुओं की हत्याएं

ढाका, 17 जनवरी. बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. 24 घंटे में दो हिंदुओं की हत्या के मामले सामने आए हैं, जिससे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है.

ताजा मामला शनिवार सुबह करीब 11 बजे गाजीपुर जिले के कालिगंज क्षेत्र का है, जहां एक हिंदू होटल व्यवसायी लिटन चंद्र घोष उर्फ काली (60) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. लिटन घोष इलाके में बोयीशाखी स्वीट एंड होटल नाम से एक होटल चलाते थे. हमले में गंभीर रूप से घायल लिटन घोष मौके पर ही गिर पड़े और स्थानीय लोग कुछ कर पाते, उससे पहले ही उनकी मौत हो गई.

इससे एक दिन पहले भी बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या का मामला सामने आया था. घटना राजबाड़ी जिले के सदर उप जिला की थी, जहां 30 वर्षीय रिपन साहा की कथित तौर पर जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर हत्या कर दी गई.

टेक्नोलॉजी के गुलाम न बनें इंसान

- आरएसएस प्रमुख ने किया युवा उद्यमियों से संवाद
- छत्रपति संभाजीनगर में कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई, 17 जनवरी. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर बात की. उन्होंने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, लेकिन लोग इसके गुलाम नहीं बनें.

उन्होंने कहा कि तकनीक से

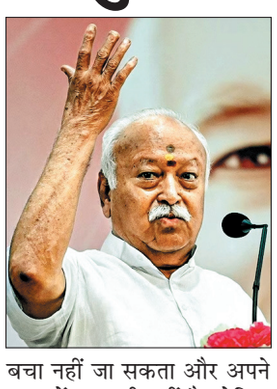

बचा नहीं जा सकता और अपने आप में यह बुरी नहीं है, लेकिन इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि उस पर हमारी निर्भरता इतनी न बढ़ जाए कि वही हमें कंट्रोल करने लगे.

स्वदेशी अपनाने का मतलब तकनीक नकारना नहीं है

मोहन भागवत ने यह बात युवा उद्यमियों से संवाद के दौरान कही. यह संवाद आरएसएस के शताब्दी वर्ष के समारोहों के तहत आयोजित किया गया था. भागवत ने स्पष्ट किया कि 'स्वदेशी अपनाने का मतलब तकनीक को नकारना नहीं है.' व्यापार और उद्योग सिर्फ मुनाफे के उद्देश्य से नहीं चलने चाहिए. हम केवल अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हित के लिए काम करते हैं और आजीविका कमाने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाना भी जरूरी है.

ईरान से लौटे भारतीय दिल्ली एयरपोर्ट पर फूट-फूटकर रोए

- कहा- वहां इंटरनेट नहीं, हालात बदतर

नई दिल्ली, 17 जनवरी. ईरान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच शनिवार तड़के दिल्ली एयरपोर्ट पर राहत और भावुक पुनर्मिलन के दृश्य देखने को मिले.

जैसे ही ईरान से लौटे भारतीय नागरिकों के विमान उतरे, बाहर इंतजार कर रहे परिजनों ने अपने अपनों को गले लगा लिया. किसी ने फूलों की माला पहनाई तो कहीं पिता ने बेटी को सीने से लगाकर राहत की सांस ली, आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी. रात से ही इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आगमन टर्मिनल के बाहर परिवारों की भीड़ जुटी थी. हर यात्री समूह को उत्सुक निगाहों से देखा जा रहा था, इस उम्मीद में कि शायद अगला चेहरा उनका अपना हो.

ईरान से लौटे कई छात्रों ने वहां के हालात को बेहद तनावपूर्ण बताया. एक छात्रा ने कहा कि सड़कों पर माहौल असहज था और इंटरनेट बंद होने से वे पूरी तरह अलग-थलग महसूस कर रहे थे. भारत पहुंचकर परिवार को सामने देखना उनके लिए सुरक्षा और राहत का अहसास लेकर आया. एक अन्य छात्र शाजिद ने बताया कि अनिश्चित हालात और संचार की कमी ने चिंता बढ़ा दी थी. यात्रा व्यवस्था की जानकारी मिलते ही राहत महसूस हुई.

भारतीय दूतावास की मदद से राहत मिली : परिजन

परिजनों ने बताया कि इंटरनेट ब्लैकआउट के दौरान उनकी चिंता चरम पर पहुंच गई थी. बाद में भारतीय दूतावास द्वारा संपर्क बहाल किए जाने और मदद शुरू होने से राहत मिली. विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं. सरकार ने हालात सामान्य होने तक ईरान की यात्रा से बचने और उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी है.

दौरा बोले- गंदा पानी पीकर लोग मर रहे, यह है सरकार का अर्बन मॉडल : राहुल गांधी

मैं राजनीति करने नहीं, लोगों से मिलने आया हूं

नव भारत न्यूज

इंदौर, 17 जनवरी. कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से मृत लोगों के परिजनों से मिले. इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं राजनीति करने नहीं, बल्कि लोगों की मदद के लिए आया हूं. आज इंदौर ही नहीं कई शहरों में साफ पानी नहीं दिया जा रहा है. यह है सरकार का अर्बन मॉडल. दूषित पानी से मृत लोगों का सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा ?

राहुल गांधी भागीरथपुरा में दूषित पानी से बीमार लोगों और मृतकों के परिजनों से मिलने इंदौर आए थे. राहुल एयरपोर्ट से सीधे बॉम्बे हॉस्पिटल पहुंचे और वहां मरीजों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने परिजनों से चर्चा कर इलाज की जानकारी ली. बॉम्बे हॉस्पिटल से राहुल सीधे भागीरथपुरा मृतक गीता बाई और एक अन्य के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे. इस दौरान राहुल गांधी ने परिजनों को ढांढस बंधाया. मृतकों के घर संवेदना व्यक्त कर राहुल गांधी ने सीधे संस्कार गार्डन में बाकी 20 मृतकों के परिजनों के साथ बैठकर चर्चा की. संस्कार गार्डन में पीड़ितों से मिले और उनकी व्यथा सुनी. परिजनों से चर्चा गार्डन में सुरक्षा कारणों से रखी गई थी. परिजनों से व्यथा सुनने के बाद राहुल की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और उमंग सिंगार ने पीड़ित परिवारों को एक लाख और 50 हजार की सहायता... ▸ शेष पेज 2 पर

सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए

राहुल गांधी ने कहा कि यह स्थिति केवल इंदौर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शहरों में यही हालात हैं. सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है. इस पूरे मामले में सरकार का कोई तो जिम्मेदार होगा? जिन लोगों का इलाज हुआ है और जिनकी मौतें हुई हैं, उनके लिए सरकार को मुआवजा देना चाहिए.